अर्द्ध0शा0 परिपत्र संख्याःडीजी- 55 /2013

देवराज नागर,
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश,

1–तिलक मार्ग, लखनऊ
दिनांकः लखनऊः सितम्बर 27 ,2013

विषय- बच्चों का अपहरण व उनकी तस्करी(Trafficking) की रोकथाम एवं बरामदगी के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश।

प्रिय महोदय,

पुलिस आयुक्त दिल्ली द्वारा अपने अर्द्धशासकीय पत्र संख्याः 997/PSec/SPL Cp/Crime dated 19-8-2013(छायाप्रति संलग्न) द्वारा अवगत कराया गया है कि दिल्ली के झोपड-पट्टी इलाके से 10-15 वर्ष की आयु के 02 सगे भाइयों को 02 वर्ष पहले अपहृत किया गया था और जनपद अमरोहा(उ0प्र0)में बेच दिया गया था, जहाँ उन्हें बंधुआ मजदूर बनाकर उनसे बर्बरतापूर्वक दासतापूर्ण कार्य कराये जा रहे थे। पुलिस द्वारा उनकी बरामदगी पर बच्चों एवं गिरफ्तार किये गये अपराधियों से पूछताँछ पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि उनके जैसे 12 बच्चों का अपहरण करके अन्य ग्रामों में बेचा गया है। उनके द्वारा बताये गये ग्राम काफूरपुर एवं दरियापुर थाना सैदनगली एवं ग्राम सबदलपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा(उ0प्र0)में चेक करने पर बच्चों को खरीदने वाले कथित लोगों के मकान बन्द मिले और स्थानीय पुलिस से समुचित सहयोग न मिलने के कारण बच्चों की बरामदगी की कार्यवाही नहीं की जा सकी।

2. उक्त पत्र एवं दर्शाये गये अपराध की गम्भीरता को देखते हुए आपको निर्देशित किया जाता है कि प्रशासनिक व श्रम विभाग के अधिकारियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेते हुए पूरे प्रदेश में, विशेष तौर पर पश्चिमी उ0प्र0 के जनपदों में एक प्रभावी अभियान चलाकर खेतों, फार्म हाउसों, घरों, ईट-भट्टों, दुकानों, होटलों, ढाबों आदि में बलात् कार्य में लगाये गये बच्चों को मुक्त कराया जाय। ऐसे अपराधों में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध भादंवि एवं विशेष अधिनियमों के अन्तर्गत कठोर कार्यवाही की जाय। बरामद हुए बच्चों से उनका पता ज्ञात करके अथवा न बता सकने की स्थिति में ZIPNET, अन्य बेबसाइट व अभिलेखों में दिये गये विवरण से ज्ञात करके उनको उनके अभिभावकों तक पहुँचाने की कार्यवाही की जाय।

3. आप सभी को निदेर्शित किया जाता है कि उक्त प्रकरण में संवेदनशील होकर उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करायें।

<u>संलग्नक : उपरोक्तानुसार</u>

भवदीय,

(देवराज नागर) 27-9-13

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक(नाम से),
<u>प्रभारी जनपद, उत्तर प्रदेश।</u>

<u>प्रतिलिपिः</u>–पुलिस आयुक्त दिल्ली को उनके अर्द्धशासकीय पत्र संख्याः 997/PSec/SPL Cp/Crime dated 19-8-2013 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः-

1. पुलिस महानिदेशक, रेलवे, उ0प्र0 लखनऊ।
2. अपर पुलिस महानिदेशक, सी0बी0सी0आई0डी0, उ0प्र0 लखनऊ।
3. अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं,उ0प्र0 लखनऊ।
4. पुलिस महानिरीक्षक, समस्त जोन, उ0प्र0।
5. पुलिस उपमहानिरीक्षक, समस्त परिक्षेत्र, उ0प्र0।

letter

सत्यमेव जयते

BHIM SAIN BASSI

पुलिस आयुक्त
दिल्ली
COMMISSIONER OF POLICE
DELHI
PHONES: 23319661, 23490201
FAX : 23722052

अर्ध सरकारी पत्र संख्या
D. O. No. 997/PSec/SPL CP/Crime
Date - 19-8-2013

20166
26/8/13

Dear Shri Deo Raj Nagar,

Investigation into two cases of kidnapping of North East District, Delhi, in which two children between the age group of 10-15 years were kidnapped two years ago, has revealed that young boys in this age group are being kidnapped from the slum areas of Delhi and are being sold to farmers, primarily in Amroha district of Uttar Pradesh where they are kept in bondage and made to work as slaves on these farms.

2. Both children (real brothers), who were recovered in these two cases have disclosed that they were kidnapped from the Khajoori Khas area of North-East Delhi, taken to the homes of farmers in Amroha district, kept under inhuman conditions and treated like animals. They were forced to work in the farms and were made to sleep in barns. They were also beaten up and tortured repeatedly to force them into submission. They also said that there are many more such children who are still there and are being forced to work as domestic servants as slaves in the sugarcane fields.

IG(Crime)

DSP
26/8/13

Add (C)
Please speak

3. The kidnappers, who were arrested later, disclosed that they had kidnapped about 12 other children and sold them in other villages. During the police custody remand, the accused were taken to those places to trace out these other children. However, the houses of the alleged buyers, pointed out by them, in villages Kafoorpur and Dariyapur (Police Station-Shaid Nangli) and Sabdalpur (Police Station-Hasanpur) were found locked. In the absence of adequate cooperation from local police, no further recovery could be affected.

पुलिस महानिरीक्षक (अपराध)
उत्तर प्रदेश
26/8/13

28/8/2013

4. In view of the above, I would request you to launch a special drive to sensitise all police personnel as well as Revenue officials of this region of Western Uttar Pradesh for verifying the particulars of children found working as labourers in the fields. Details of all children missing from Delhi are available in the enclosed CD for comparing with children found working in fields. This data is also available on the ZIPNET.

With best wishes,

Yours sincerely,

19/8/2013

(BHIM SAIN BASSI)

Shri Deo Raj Nagar, IPS
Director General of Police,
Uttar Pradesh.